डायरिया रोको अभियान

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग **1 जुलाई, 2024** को '**डायरिया रोको**' अभियान शुरू करने जा रहा है।

?????? ?????:

- वर्षा ऋतु में **दूषित जल के जमा होने से वायरल, बैक्टीरियल** और **परजीवी संक्रमण** का खतरा बढ़ जाता है।
- ऐसी स्थिति में बच्चों को डायरिया हो सकता है जिससे निर्जलीकरण (Dehydration) की समस्या बढ़ जाती है। यह **बीमारी संदूषित भोजन और जल के माध्यम से फैलती है।**
- **आशा कार्यकर्त्ता** घर-घर जाकर डायरिया से पीड़ित बच्चों के परिवारों को **ORS घोल** बनाने की विधि सिखाएंगी
- वे **ORS और ज़िंक** के उपयोग के लाभों के साथ-साथ साफ-सफाई और स्वच्छता के बारे में भी जानकारी देंगे।
- शहरी मलिन बस्तियों, दूर-दराज़ के क्षेत्रों, खानाबदोशों, निर्माण कार्य में लगे मज़दूरों के परिवारों और ईंट भट्टों पर रहने वाले परिवारों जैसे **संवेदनशील क्षेत्रों** पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

डायरिया रोग

- डायरिया को **प्रतिदिन तीन या अधिक बार पतला या तरल मल त्यागने (या किसी व्यक्ति के लिये सामान्य से अधिक बार मल त्यागने) के रूप में** परिभाषित किया जाता है।
- डायरिया से उत्पन्न सबसे गंभीर खतरा निर्जलीकरण (Dehydration) है।
  - डायरिया के दौरान, **जल और इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, क्लोराइड, पोटेशियम और बाइकार्बोनेट) तरल मल, उल्टी, पसीने, मूत्र तथा श्वास के माध्यम से नष्ट हो जाते हैं।**
  - जब इन क्षतियों की पूर्ति नहीं की जाती तो निर्जलीकरण हो जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/stop-diarrhoea-drive